VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
27 NOV 2015
SUBMITTED IN 3 HOURS
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 638)

Name of Candidate	PREMSUKH DELU		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	15301
Center	Delhi	Date	27/11/15

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in HINDI and ENGLISH.
   इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य है।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

SECTION – A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) What is the role of education in bringing about social change? Discuss in the context of India with relevant examples. 10

सामाजिक परिवर्तन लाने में शिक्षा की क्या भूमिका है? प्रासंगिक उदाहरणों के साथ भारत के संदर्भ में चर्चा करें।

सामाजिक परिवर्तन लाने के निदेश में शिक्षा की भूमिका

- समाज की विभिन्न कुरीतियों की जड़ अशिक्षा है अतः शिक्षा को व्यापकता प्रदान कर समाज के विभिन्न अंधविश्वासों, रूढ़िवादियों को दूर किया जा सकता है
- समाज में वंचित तबकों यथा दलित, पिछड़ों के प्रति फैले पूर्वाग्रहों को शिक्षा के माध्यम से दूर किया जा सकता है
- समाज में शिक्षा के प्रसार से जातिवाद टूटने के ~~विभिन्न~~ उदाहरण भारत हम शहरी जीवन में देख सकते हैं वहां जाति बंधन कमजोर है
- शिक्षा बढ़ने से साथ अंतर्जातीय विवाह, सगोत्र विवाह भी देखे

होते बढ़ते हुए दिखाई देते हैं।

- शिक्षा, जनजागरूकता बढ़ने से ~~[illegible]~~, सती प्रथा, बाल विवाह जैसे कुछ अपराध घटे हैं।

- शिक्षा की वजह से अधिकतर सरकारी कार्य एवं विकास कार्य उन क्षेत्रों में बेहद सफल रहे हैं जहाँ शिक्षा का स्तर बेहतर है बजाय कमजोर शिक्षा स्थिति वाले जैसे केरला में ज्यादा सफल बिहार की तुलना में।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

1. (b) Where the roots of private virtues are diseased, the fruits of public probity cannot but be corrupt. Discuss this statement in the context of civil services in India. 10

जहाँ निजी सद्गुणों की जड़ें व्याधिग्रस्त होती हैं, वहाँ सार्वजनिक सत्यनिष्ठता (पब्लिक प्रोबिटी) का लाभ/प्रतिफल नहीं मिलता, बल्कि इसका पतन होता है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा करें।

सार्वजनिक सत्यनिष्ठा का आशय अपने सार्वजनिक आधिकारिक कर्तव्य का ईमानदारी पूर्वक निर्वाह करना। अतः हम देखते हैं कि इस सत्यनिष्ठा की जड़ें ईमानदारी, दया, निष्पक्षता और सद्गुणों से जुड़ी हुई है।

अतः हम कई उदाहरणों से पाते हैं कि जहां व्यक्तिगत सद्गुण कमजोर होते हैं वहां सार्वजनिक सत्यनिष्ठा भी कमजोर होती है क्योंकि सार्वजनिक पदों पर बैठे लोग भी तो उसी समाज का हिस्सा होंगे।

साथ ही सार्वजनिक सत्यनिष्ठा को प्रेरित करने वाले नियम कानून कायदों के साथ साथ अंतरात्मा भी महत्वपूर्ण स्रोत होती है निजी सद्गुणों के अभाव में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

नैतिकता तो कमजोर होगी। अतः ऐसी परिस्थिति में उनसे नैतिक सत्यनिष्ठता की आशा नहीं की जा सकती है।

भारतीय सिविल सेवा के संदर्भ में देखें तो हम पाते हैं कि देश के विकास में इन सेवा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है लेकिन इन सिविल सेवकों के संदर्भ में कई बार हम एक औपनिवेशिक मानसिकता, कमजोर वर्गों के प्रति असंवेदनशीलता, कार्यक्षेत्र तटस्थता, उदासीन रवैया, सब चलता वाला रवैया, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद, लाल फीताशाही हमें देखने को मिलती है।

अतः ऐसे संदर्भ में हम एक उचित प्रतिफल की आशा नहीं कर सकते हैं अतः पहले हमें विभिन्न प्रशिक्षणों, मोटिवेशन, भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से मनोवृत्ति परिवर्तन की तरफ ध्यान देना होगा।

इन्हे उच्च मानवीय गुणो, देशभक्ति से भरना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

2. (a) What do you understand by political attitude? What are the factors that shape the political attitude of a person? Discuss. 10

राजनीतिक अभिवृत्ति से आप क्या समझते हैं? किसी व्यक्ति में राजनीतिक अभिवृत्ति के निर्माणकारी कारक कौन से हैं? चर्चा करें।

किसी व्यक्ति के सार्वजनिक जीवन यथा चुनाव, चुनाव व्यवस्था, राजनीतिक निर्णयों, प्रदर्शनों, गोष्ठियों निर्वाचन प्रति विचार, पसंद नापसंद एवं व्यवहार राजनीतिक अभिवृत्ति कहलाते हैं।

किसी व्यक्ति के राजनीतिक अभिवृत्ति के निर्माणकारी तत्व :-

- व्यक्ति की विचारधारा इस निर्णय में महत्वपूर्ण है कि वह किस विचारधारा को पसंद करता है साम्यवादी, दक्षिणपंथी, रूढ़िवादी इत्यादि
- व्यक्ति की रुचि यथा राजनीतिक प्रदर्शनों, गोष्ठियों में भाग लेना तथा इन विषय में अपनी पसंद नापसंद प्रदर्शित करना
- विभिन्न प्रकार की प्रेरणाएं यथा पद, सेवा प्रवृति इत्यादि भी व्यक्ति की राजनीतिक अभिवृत्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

- व्यक्ति की नैतिक बौद्धिकता, अभिक्षमता, इत्यादि भी राजनीतिक अभिवृत्ति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** The Vienna Convention on Diplomatic Relations provides blanket cover to the activities of diplomats and their family members? What are ethical issues arising out of such a wholesale cover? What would you suggest to address those problems? 10

राजनयिक संबंधों पर आधारित वियाना अभिसमय, राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों की गतिविधियों को व्यापक सुरक्षा प्रदान करता है। इस प्रकार के व्यापक सुरक्षा प्रदान किये जाने से उत्पन्न होने वाली नैतिक समस्याएं कौन सी हैं? इन समस्याओं के समाधान हेतु आप क्या सुझाव देंगे?

वियाना अभिसमय राजनयिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय है जिनके कारण उत्पन्न नैतिक समस्याएँ :-

- इस अभिसमय अनुसार राजनयिकों एवं उनके परिवार को विभिन्न अपराधों के बावजूद गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है फलस्वरूप इस कारण कई बार वे महत्वपूर्ण अपराध कर बैठते हैं उदा० हाल में भारत में सऊदी अरब के राजदूत पर नेपाली नौकरानी के देह शोषण का आरोप लगा, अमेरिका में भारतीय राजनयिक देवयानी पर घरेलू नौकरानी के शोषण का आरोप।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

- विभिन्न कार्य प्रतिनिधियों के लिए रहने की समस्याएँ।
- मानवाधिकार, महिलाधिकार इत्यादि सम्बन्धी समस्याएँ।

अतः इन समस्या के हल के लिए निम्न कदम उठाये जा सकते हैं:-

- गंभीर अपराध यथा यौन शोषण इत्यादि विषय में नियुक्ति कर्ता देश नियुक्त देश की सरकार से सलाह करके तुरंत जाँच बिठाकर दोषी पाए जाने पर दंडित करे।
- गंभीर अपराधों पर विभिन्न अभिसमय में कुछ कठोर प्रावधान जोड़े जाए
- पीड़ित को उचित मुआवजा एवं पुनर्वास की व्यवस्था की जाएं तथा उसे कानूनी सलाह दी जाएं तो नियुक्ति कर्ता देश में ही उक्त अभियुक्त पर मुकदमा चलाया जाए एवं पीड़ित के बयान हेतु आधुनिक तकनीकों को उपयोग में लाया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Given below are two quotations of great moral thinkers/philosophers. For each of these quotations, bring out what it means to you in the present context:

(a) "Educating the mind without educating the heart is no education at all."—Aristotle. 10

महान नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के दो उद्धरण नीचे दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक उद्धरण के लिए यह स्पष्ट कीजिए कि वर्तमान संदर्भ में आप के लिए इनके क्या अर्थ हैं:

(क) "हृदय को शिक्षित किए बिना, केवल मस्तिष्क को शिक्षा प्रदान करना कोई शिक्षा नहीं है।" - अरस्तू

ग्रीक दार्शनिक अरस्तू के अनुसार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) "The whole problem with the world is that fools and fanatics are always so certain of themselves, but wiser people so full of doubts."- Bertrand Russell. 10

"विश्व में प्रमुख समस्या यही है कि मूर्ख और कट्टरपंथी सदैव स्वयं के प्रति बहुत निश्चित होते हैं, लेकिन समझदार लोग अत्यधिक संदेह से भरे होते हैं।" - बर्ट्रेंड रसेल।

बर्ट्रेंड रसेल का यह कथन बहुत महत्वपूर्ण है कि मूर्ख एवं कट्टरपंथी सदैव स्वयं के प्रति बहुत निश्चित होते हैं जिसे हम विभिन्न समकालीन उदाहरणों से देख सकते हैं जो ISIS के आतंकवादी अपनी विचारधारा को लेकर इतने ~~अत्यधिक~~ आश्वस्त हैं कि अपने प्राण तक न्योछावर कर रहे उन्हें यह विश्वास है कि जीतने पर [struck] साम्राज्य एवं मरने पर जन्नत मिलेगी तथा अंततः चाहे कुछ भी हो वे एकदिन विजयी होंगे।

वहीं दूसरी तरफ बर्ट्रेंड के अनुसार समझदार लोग अत्यधिक संदेह से भरे होते हैं वे किसी गलत चीज का भी विरोध कर पाने डर या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

संदेह के मारे नहीं कर पाते हैं

वास्तव में देखा जाए तो शील के मान रूपन को पूर्णतः साधन नहीं हुआ जा सकता है संभवतः लोग सदैव अत्यधिक संदेह से नहीं भरे रहते हैं जैसे राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी का उदाहरण हमारे सामने है उन्होंने प्रत्येक कदम पूरा विश्वास के साथ उठाया सदैव अपनी दिशा धारा एवं तरीके को लेकर निश्चित थे

साथ ही अधिकतर पेशी सदैव स्वयं के प्रति बहुत निश्चित होते हैं ऐसा भी नहीं है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** "Persuasion makes society work smoothly while physical coercion grinds it to a halt". Giving examples, compare the effectiveness of persuasion as an influence tactic vis-a-vis coercion in bringing change in society. In what ways persuasion can be used by civil servants to remove social evils existing in society? 10

"अनुनय से समाज सुचारू रूप से काम करता है जबकि भौतिक दबाव (शारीरिक बलप्रयोग) इसे ठहराव की स्थिति में ला देता है।" उदहारण प्रस्तुत करते हुए, समाज में परिवर्तन लाने के लिए प्रभावकारी भूमिका के तौर पर अनुनय की प्रभावशीलता की तुलना भौतिक दबाव के साथ करें। समाज से वर्तमान सामाजिक बुराइयों को दूर करने में लोक सेवक किस प्रकार अनुनय का उपयोग कर सकते हैं?

अनुनय का आशय है समझा-बुझाकर अभिवृत्ति परिवर्तन करना। सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में अनुनय एक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

वहीं भौतिक दबाव का आशय है विभिन्न प्रकार के बाहरी भय, दबाव, धमकी इत्यादि माध्यम से अभिवृत्ति परिवर्तन करने का प्रयास करना।

अनुनय एवं भौतिक दबाव में प्रभावशीलता को हम एक उदा० जैसे ट्रैफिक नियम पालन होना चाहिए प्रत्येक व्यक्ति को यदि हम बाहरी कानून, भय, धोखाधड़ी दिखाएंगे तो हो सकता है व्यक्ति इसको गलत रास्ते जैसे हवाला कालाबाजारी इत्यादि

से ईमान नौकरी लग जाए, वहीं यदि हम प्रत्येक नागरिक को एक सम्मान देने की बात करके ईमान देने को देश सेवा के योगदान की बात करेंगे या फिर यदि कोई व्यक्ति ईमान नहीं करेगा तो टोला बनाकर मोहल्ले में उसका नाम पुकारेंगे तो पूरी संभावना है वह ईमान जमा करवायेगा।

वर्तमान सामाजिक बुराइयां यथा कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए हम केवल कानून नहीं अपितु "सेल्फी विद डॉटर" जैसी प्रेरणा, एक दिन बेटी के नाम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ में गुड्डा गुड्डी बोर्ड पर नाम लिखना, ग्राम पंचायत द्वारा बेटी जन्म पर मिठाई बांटना ये ऐसे अनुनय साधन हैं जिनके द्वारा समाज को बदल सकते हैं ऐसे ही इसी नियमाये

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

यथा विधवा पुनर्विवाह, सती प्रथा, इत्यादि के विरोध में लघु फिल्में, डाक्यूमेंट्री, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से इन कानून की तुलना में ज्यादा परिवर्तन ला सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) What do you understand by emotional sensitivity? Elaborate how emotional sensitivity is important for ethical behavior. What measures have you taken to enhance our emotional sensitivity? 10

आप भावनात्मक संवेदनशीलता से क्या समझते हैं? नैतिक व्यवहार के लिए भावनात्मक संवेदनशीलता किस प्रकार महत्वपूर्ण है, वर्णन करें। अपने भावनात्मक संवेदनशीलता में वृद्धि हेतु आपने क्या उपाय किए हैं?

अपनी तथा दूसरों की भावनाओं को समझना एवं महसूस करना, प्रबंधन करना, ~~आत्मप्रेरणा~~ आत्मप्रेरित होना, मोनिटर करना ही भावनात्मक संवेदनशीलता है।

जहां तक नैतिक व्यवहार की बात है उसके लिए व्यक्ति के अंदर परार्थ का भाव आना जरूरी है परार्थ के भाव का संबंध भावनात्मक संवेदनशीलता से है इसके कारण ही हम समाज के वंचित वर्ग महिला, बच्चे, अल्पसंख्यक, दलित इत्यादि की कठिनाइयों को समझ पाते है महसूस कर पाते है तथा स्वयं को गलत रास्ते पर जाने से रोकते है ~~समाज~~ समाजोपयोगी कार्य हेतु अनुप्रेरित होते है

मैंने स्वयं में भावनात्मक संवेदनशीलता की वृद्धि हेतु निम्न उपाय किए है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

- वंचित वर्गों की समस्याओं के प्रति सदैव संवेदनशील रहना।
- जब भी गलत रास्ते की तरफ जाने के लिए प्रेरित हो उस समय समाज के सबसे कमजोर तबके का सोचूं कि इस कदम का उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा ताकि मैं ऐसा गलत कदम न उठाऊँ
- नियमित मेडिटेशन करता हूं
- स्वयं को सभी प्रकार के पूर्वाग्रहों एवं अंधविश्वासों से मुक्त करने का प्रयास करता हूं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

5. (a) There are no universal moral rules which apply to all persons. Examine by giving relevant examples. 10

सभी व्यक्तियों पर लागू होने वाला कोई सार्वभौमिक नैतिक नियम नहीं हैं। प्रासंगिक उदाहरण देते हुए परीक्षण करें।

वास्तव में नैतिक नियम देश काल के सापेक्ष होते हैं तथा देश काल बदलने पर नैतिक नियम भी बदल जाते हैं जिसे हम निम्न उदाहरणों के माध्यम से देख सकते हैं

- वैष्णव वेदांतियों में बलि देना अनैतिक माना जाता है वहीं शैव शाक्त (देवीपूजा) सम्प्रदायों में बलि देने को ईश्वर प्राप्ति का एक माध्यम माना जाता है
- हिंदू धर्म में सामान्यतः एक से अधिक विवाह को अनैतिक माना जाता है जबकि इस्लाम में चार विवाह तक को नैतिक माना जाता है
- कई आदिवासी समाजों की परम्पराएं उनकी संस्कृति के लिए नैतिक हैं वहीं सामान्य समाज उन क्रियाओं को अनैतिक मानता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस तरह हम देखते हैं कि नैतिक नियम देश काल सापेक्ष हैं लेकिन साथ ही कुछ नैतिक नियम यथा "सत्य बोलना" सभी देश एवं काल में नैतिक रहा है

अतः निष्कर्षतः हम कह सकते हैं अधिकतर नैतिक नियम सापेक्ष होते हैं कुछ नैतिक नियम सार्वभौमिक भी होते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) Some decisions, which are in the best interest of the organisation, require deviation from the existing policies, rules and guidelines. As a civil servant how would you deal with such situations. Illustrate. 10

संगठन के सर्वोत्तम हित में कुछ निर्णयों के लिए वर्तमान नीतियों, नियमों और दिशा निर्देशों से इतर कार्य करने की आवश्यकता होती है। एक लोक सेवक के रूप में आप इस प्रकार की स्थितियों से कैसे निपटेंगे, स्पष्ट करें।

किसी भी संगठन में श्रेष्ठ परिणाम प्राप्ति में उस संगठन की नीतियां, नियम, दिशा निर्देश महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं ये संगठन संगठन की कार्य संस्कृति, कुशलता, दक्षता, प्रेरणा के स्रोत होते हैं तथा सामान्यतः इन्हें अनुकरण करने की आशा प्रत्येक कार्मिक से की जाती है।

लेकिन एक वर्ग का ऐसा भी मानना है कि उच्च कुशलता प्राप्ति हेतु, प्रत्येक देश एवं काल में एक जैसी नीतियों, नियमों एवं दिशा निर्देशों से संगठन के हित कई बार बाधा पाते हैं तथा संगठन पिछड़ जाता है अतः देश, काल के कारण कई बार इनसे हटना भी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

उपयुक्त रहता है जैसे मान लो गाँव से एक बुजुर्ग महिला जिलाधीश महोदय के पास पेंशन हेतु आती है तथा वह बताती है वह अनाथ है उसके पास ~~कुछ~~ कोई कागजात नहीं है तब तो उसे भगाना प्रशासनिक संवेदनशीलता नहीं होगा बल्कि नियमों के इतर जाकर वैकल्पिक रास्ते भी तलाश कर उसकी पेंशन बनानी चाहिए ताकि संगठन की मूल भावना सध सके।

मैं निम्न तरीके से ऐसी परिस्थितियों से निपटूंगा :-

- एक ऐसा निगरानी तंत्र विकसित करने का प्रयास करूंगा जो कहीं जन हित के नाम से अपना फायदा उठाने के लिए, जान बूझकर कर्मचारी नियम कायदे तो नहीं तोड़ने लगे हैं यदि ऐसा होता है तो कठोर कार्यवाही की व्यवस्था होगा।
- समय समय पर संगठन में विभिन्न लघु फिल्मों, लघु नाटकों, डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से नियम कायदों से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पालन हेतु प्रेरित करना तथा भी उनको सुहृदय प्रशासन, नागरिक केंद्रित प्रशासन के लिए प्रेरित करना

- संगठन में एक अच्छी कार्य संस्कृति टीम भावना विकसित करने का प्रयास करेगा।
- संगठन मैत्री साथियों से बातचीत का एक सिटिजन चार्टर का निर्माण करेगा।
- संगठन की जवाबदेहीता एवं पारदर्शिता बढ़ाने हेतु सरल शिकायत व्यवस्था को बढ़ावा देना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

6. Developing 'scientific temper' is one of the fundamental duties of Indian citizens under Article 51A of the Constitution. What do you understand by scientific temper? Explain its role in increasing tolerance in the society. What have you done to develop your scientific temper? 10

'वैज्ञानिक मनोवृत्ति' का विकास करना संविधान के अनुच्छेद 51-ए के अंतर्गत भारतीय नागरिकों का एक मौलिक कर्तव्य है। 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति' से आप क्या समझते हैं? समाज में सहिष्णुता बढ़ाने में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए। अपनी 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति' का विकास करने के लिए आपने क्या किया है?

वैज्ञानिक मनोवृत्ति का आशय है स्वयं को विभिन्न प्रकार के पूर्वाग्रहों से मुक्त कर, आधुनिक ज्ञान विज्ञान के अनुसार हर चीज को अपने विवेक एवं तर्क कसौटी पर कस कर फैसला लेना न कि किसी चीज का अंधानुकरण करना। ~~[illegible]~~ ~~अस्पृश्यता को स्वीकार करना~~

समाज में सहिष्णुता के संदर्भ में वैज्ञानिक प्रवृत्ति की महती भूमिका है।

समाज की महत्वपूर्ण समस्याएं यथा दहेज प्रथा, विधवा पुनर्विवाह का विरोध, जाति प्रथा का समर्थन, अन्य धर्मों एवं संस्कृतियों के प्रति घृणा का भाव, कन्या भ्रूण हत्या में

सब रूढ़िवादिता एवं सैद्धान्तिक के कारण ही विद्यमान है अतः यदि वैज्ञानिक प्रवृत्ति का विकास होगा तो तर्कबुद्धि स्वयमेव इनको काट देगी

समाज में सहिष्णुता अर्थात् विरोधों के बावजूद सहअस्तित्व के प्रति सम्मान का भाव पैदा होगा।

स्वयं में वैज्ञानिक प्रवृत्ति विकास हेतु निम्न प्रयास किए हैं:-

- स्वयं को सभी पूर्वाग्रहों से मुक्त करने का प्रयास करता हूँ
- देश के संविधान, संवैधानिक आदर्शों स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा ग्रहण करने का प्रयास करता हूँ
- अधिक से अधिक लोगों से मिलकर उनकी संस्कृति, सभ्यता, विचार समझने का प्रयास करता हूँ
- कई बार सामने वाले के विचार से सहमत नहीं होता

हूँ तो बहुमत विनम्रता से असहमति बताता हूँ

- महान लोगों यथा गाँधी, कलाम इनकी जीवनी पढ़ता हूँ
-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

7. There are only crimes, no criminals. In the light of this statement, examine retributive and reformative forms of punishment from moral perspective. 10

यहां केवल अपराध है, कोई अपराधी नहीं। इस कथन के आलोक में नैतिक दृष्टिकोण से दंड के दंडात्मक और सुधारात्मक रूपों का परीक्षण कीजिए।

दण्ड के निवेद्य में मुख्यतः दण्डात्मक सुधारात्मक, विचार प्रचलित है।

जहाँ दण्डात्मक विचारधारा इस बात की समर्थक है कि यदि किसी व्यक्ति ने अपराध किया है तो उसको दण्ड मिलना ही चाहिए ताकि वह भविष्य में ऐसा अपराध न करे तथा उसे दिए गए दण्ड से दूसरा अन्य भी हतोत्साहित हो।

वहीं सुधारात्मक स्वरूप विचारधारा के पीछे यह धारणा है कि व्यक्ति प्रति अपराध विवश होता या परिस्थिति वश करता है अतः उसे दण्ड देने से पूर्व उन परिस्थितियों को जानना चाहिए तथा उनमें सुधार का प्रयास करना चाहिए क्योंकि यह निश्चित है मनुष्य को मूलतः अच्छा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मानता है अतः उन्हें परिस्थिति अनुकूल का सुधारने का मौका देना चाहता है क्योंकि वह मानता है कि दण्ड देने से व्यक्ति प्रतिक्रियावादी भी हो सकता है।

आधुनिक विश्व में हम जब सभ्यता के उस दौर में विकास के चरम स्तर पर खड़े हैं तब दण्ड के दण्डात्मक नहीं अपितु सुधारात्मक रूप की तरफ ही गमन करना चाहिए एवं यूरोपीय देशों में इनके कई बेहतर परिणाम भी सामने आए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

8. What do you understand by 'belief'? How does it shape into value system? Illustrate with examples from your personal life. 10

'आस्था/विश्वास' से आप क्या समझते हैं? हमारी मूल्य प्रणाली में यह कैसे आकार लेता है? अपने व्यक्तिगत जीवन से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए व्याख्या कीजिए।

किसी भी दृढ़ आश्वासन की अवस्था को ही आस्था या विश्वास कहा जाता है यह अभिवृत्ति का महत्वपूर्ण आधार होता है।

हमारी मूल्य प्रणाली में विश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि मूल्य वे होते हैं जिनमें अच्छा होने का विश्वास किया जाता है अर्थात् मूल्य के आधार के रूप में विश्वास उपस्थित है जब किसी बात को लेकर विश्वास दृढ़ हो जाता है तो वह मूल्य में बदल जाता है।

जहां तक मेरे व्यक्तिगत जीवन की बात है मैंने एक बार पिताजी की जेब से पैसे निकाल लिए और उन पैसों से मैंने बाजार में जंक फूड खा लिया उस जंक फूड से मुझे दस्त लगी ऐसा मेरे जीवन में दो तीन बार हुआ तो मेरे अंदर यह विश्वास का उदय कि चोरी करना पाप

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है तथा "चोरी या माल चोरी" हो जाता है तो पैसे सीख लिया ईमानदारी जीवन का सर्वोच्च महत्वपूर्ण ~~[illegible]~~ मूल्य है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. Ram is an Indian student in Oxford University. His best friend ' Harry' is a Britisher. Recently they both watched the debate where an Indian MP argued that Britain owes an apology and reparations to India for the historical wrongs committed during its rule. Harry objects the idea on these grounds: "I never exploited any Indian. None of my family members ever worked for British East India Company. I don't know why I should have to pay for someone who exploited Indians, generations before I was born". Making present-day citizens to pay reparations for the past wrongs, seems to raise some concerns. They both come to you (an Ethics professor) and ask you to decide who among them is correct. Critically analyze their arguments and bring out the ethical issues involved. 20

राम ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भारतीय छात्र है। उसका सबसे अच्छा मित्र 'हैरी' अंग्रेज़ है। हाल ही में उन दोनों ने एक ऐसी बहस देखी जिसमें एक भारतीय सांसद तर्क देता है कि ब्रिटेन को अपने शासन के दौरान की गई ऐतिहासिक गलतियों के लिए भारत से क्षमा मांगनी चाहिए और उनका प्रायश्चित करना चाहिए। हैरी अग्र उल्लिखित आधारों पर इस विचार का विरोध करता है: "मैंने कभी किसी भारतीय का शोषण नहीं किया है मेरे परिवार के किसी भी सदस्य ने कभी भी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए काम नहीं किया। यह मेरी समझ से परे है कि मुझे क्यों किसी ऐसे कृत्य के लिए भुगतान करना चाहिए जिसने मेरे जन्म से पीढ़ियों पहले भारतीयों का शोषण किया।" अतीत की गलतियों के लिए वर्तमान नागरिकों से क्षतिपूर्ति का भुगतान कराना थोड़ा चिंताजनक प्रतीत होता है। वे दोनों आप (एथिक्स प्रोफेसर) के पास आते हैं और आपसे इस बात का निर्णय करने को कहते हैं कि उनमें से कौन सही है। आलोचनात्मक रूप से उनके तर्कों का विश्लेषण करें और इसमें सम्मिलित नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

यहां पर उपस्थित नैतिक मुद्दे निम्न है।

1) अतीत के शोषण की वर्तमान पीढ़ी पर जिम्मेदारी

2) राष्ट्रीय दायित्व बनाम व्यक्तिगत हैसियत से जिम्मेदारी

3) दोनों के बीच वैचारिक मतभेद की सीमा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

हैरी के तर्कों का विश्लेषण

हैरी का तर्क है मैंने, मेरे परिवार ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए काम नहीं किया अतः वह भुगतान हेतु उत्तरदायी नहीं हो सकता है यह कथन इस संदर्भ में तो सही है कि जो अपराध करे उसे ही दण्ड मिलना चाहिए। लेकिन सूक्ष्मता से देखा जाए तो हैरी का यह व्यक्तिगत मामला मात्र नहीं है हैरी उस देश का निवासी है हैरी उस देश के संसाधनों का उपयोग कर रहा है उन्हीं संसाधनों को कभी भारतीयों का शोषण करके खड़ा किया गया था जब हैरी इनका उपयोग कर रहा है तो भुगतान का दायित्व बनता है

जहां तक अतीत की गलतियों के लिए वर्तमान नागरिकों से क्षतिपूर्ति के भुगतान की बात है यह इस संदर्भ में तो ठीक नहीं कहा जा सकता है कि इनकी जवाबदेही का हनन होता है लेकिन दूसरी तरफ देखें तो इनके शोषणकर्ता जन शोषण होगा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तब सदैव उनके मोहन में यह बात रहेगी की ~~xxx~~ इनका भविष्य में उन्ही आने वाली पीढ़ी इसका भुगतान करना पड़ सकता है इनके और जिम्मेदारान व्यवहार पर नियंत्रण पाया जा सकता है साम्राज्यवादी एवं नव उपनिवेशवादी प्रवृति को रोक सकते है

इनके पीड़ित पक्ष को जो आर्थिक गरीबी में जी रहा है उन्हे क्षतिपूर्ति मिलेगी तथा शोषणकर्ता देश के प्रति उनकी घृणा भी कम होगी जिनके वैश्विक शांति व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

10. A common sight in India at traffic signals, railway stations and urban markets, is that of a destitute woman, begging, with a child in her arms. At times, out of pity or out of fear, from being cursed by God, or out of irritation, we tend to give them some coins or money and drive them away. In this context, bring out the ethical issues associated with beggary. Indicate the socio-economic reasons behind it. Also, discuss the attitudinal aspects of people towards beggars. What feasible steps can be taken. to effectively control this serious problem of our country? 20

ट्रैफिक सिग्नलों, रेलवे स्टेशनों और शहरी बाजारों में एक बच्चे को लिए हुए, भीख मांगने वाली असहाय महिला का दृश्य आम है। कभी-कभी दयावश या भगवान द्वारा शाप दिए जाने के भयवश या क्षोभवश, हम उन्हें कुछ सिक्के या रुपए दे कर दूर भगा देते हैं। इस संदर्भ में, भिक्षावृत्ति से जुड़े नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिए। इसके पीछे के सामाजिक-आर्थिक कारणों को स्पष्ट करें। इसके साथ ही, भिखारियों के प्रति लोगों की अभिवृत्ति से संबंधी पहलुओं पर चर्चा करें। हमारे देश की इस गंभीर समस्या के प्रभावी नियंत्रण हेतु कौन-से व्यवहार्य कदम उठाए जा सकते हैं?

भिक्षावृत्ति से जुड़े हुए नैतिक मुद्दे: -

(1) जीवन जीने की न्यूनतम आवश्यकताओं का अभाव का मुद्दा

(2) अमीर बनाम गरीब का मुद्दा

(3) संसाधन वितरण का मुद्दा

(4) समावेशी विकास का मुद्दा

(5) तस्करी, ह्यूमन ट्रैफिकिंग, बाल शोषण के मुद्दे

भिक्षावृत्ति के पीछे के सामाजिक-आर्थिक कारण: -

अशिक्षा समाज में व्यापक पैमाने पर फैली अशिक्षा के कारण लोग परिवार नियोजन का महत्व ही नहीं समझ पाते हैं फलस्वरूप बड़े परिवारों के कारण व्यापक स्तर पर फैली निर्धनता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

और बढ़ावा देती है।

बेरोजगारी : समाज में फैली व्यापक बेरोजगारी एवं रोजगार के अवसरों का अभाव लोगों को भिक्षावृत्ति की तरफ धकेल रही है

निर्धनता : समाज में फैली व्यापक निर्धनता, गरीबी, भुखमरी लोगों को भिक्षावृत्ति की तरफ धकेल देती है इनके अलावा बीमारियां, मांगने की प्रवृत्ति इत्यादि भी उत्तरदायी है।

भिखारियों के प्रति लोगों की अभिवृत्तियां -

- ये चोर, धोखेबाज लोग होते हैं
- ये विभिन्न अवैध गतिविधियों तस्करी इत्यादि में लिप्त रहते हैं
- ये कमाना नहीं चाहते हैं
- ये अनपढ़, गंवार, पिछड़े लोग हैं

लेकिन वास्तव में हम देखे तो लोगों की इनके प्रति ऐसी अभिवृत्ति पूर्णतः उचित नहीं माना जा सकता है क्योंकि कई बार इनकी मजबूरी होती है तथा कई बच्चे एवं औरतें ट्रैफिकिंग के माध्यम से लाए

क्षेत्र में धकेला दिए जाते हैं अतः इस समस्या के निदान हेतु निम्न कदम उठाये जा सकते हैं

- जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रयास किए जाने चाहिए इस विषय में उचित जन-जागरण, नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरियों, स्थानीय भाषा में पोस्टर, विभिन्न प्रेरणाओं, डॉक्यूमेंट्री इत्यादि के माध्यम से लोगों को प्रेरित करना चाहिए।

- शिक्षा क्षेत्र में सभी की सुनिश्चित पहुँच सुनिश्चित करनी चाहिए तथा लोगों का कौशल विकास करके उन्हें माइक्रो फाइनेंस के माध्यम से माइक्रो ऋण उपलब्ध कराके स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना चाहिए इस हेतु विभिन्न N.G.O., सिविल सोसाइटी का उपयोग किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• इन लोगों से संबंधित कार्यक्रमों के उचित क्रियान्वयन हेतु लघु फिल्मों, डॉक्यूमेंट्री, पोस्टर, विज्ञापन, इनसे बातचीत के माध्यम से सिविल सेवकों की मनोवृत्ति परिवर्तन का प्रयास करना चाहिए ताकि इनके प्रति पूर्वाग्रह दूर हो तथा कार्यक्रमों का उचित क्रियान्वयन हो।

• इनको विभिन्न बुनियादी सेवाएं उपलब्ध करवाई जाए पुनर्वास किया जाना चाहिए।

इस तरह से हम इस समस्या पर नियंत्रण पा सकते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are an A.C.P. in New Delhi. There has been a steep rise in incidents of racial discrimination in the area falling under your jurisdiction. Recently, a young boy from North East was beaten badly by a mob in a market area. This has led to protest by students from the North East region. They have gathered outside your office and are demanding strict action against the culprits. **(a)** What will be your strategy to manage the situation. Bring out a plan to counter such incidents in the future. **(b)** What is the use of emotional intelligence in such situations? **(c)** What are the social and attitudinal factors responsible for racial discrimination. 20

आप नई दिल्ली में ए.सी.पी. हैं। आपके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में नस्लीय भेदभाव की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। हाल ही में, उत्तर-पूर्व के एक युवा लड़के को बाजार में भीड़ ने बुरी तरह से पीटा था। इसने पूर्वोत्तर के छात्रों को विरोध करने के लिए प्रेरित किया। वे आपके कार्यालय के बाहर एकत्र हो गए हैं और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।**(a)** इस स्थिति का प्रबंधन करने के लिए आपकी रणनीति क्या होगी ? भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से निपटने हेतु योजना बताएं। **(b)** इस प्रकार की स्थितियों से निपटने में भावनात्मक समझ किस प्रकार उपयोगी है? **(c)** नस्लीय भेदभाव हेतु उत्तरदायी सामाजिक और अभिवृत्ति से सम्बंधित विभिन्न कारक कौन-से हैं ?

विकल्प (a) कार्यालय से बाहर एकत्रित भीड़ के सामने सबसे पहले मैं अफसोस व्यक्त करूंगा की मेरे क्षेत्र में ऐसी घटना हुई है तथा भीड़ से एक प्रतिनिधि मण्डल ~~भेजने का आग्रह~~ करना बातचीत के लिए एक प्रतिनिधि मण्डल को कार्यालय के अंदर मिलने के लिए भेजने का आग्रह करूंगा।
प्रतिनिधि मण्डल की सभी बातों एवं समस्याओं को ध्यानपूर्वक नम्रता के साथ सुनूंगा तथा अपनी ~~[illegible]~~·

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

सांवेगिक संवेदनशीलता से उनकी समस्या को समझने एवं महसूस करने का प्रयास करूंगा तथा उन्हें आश्वस्त करूंगा कि आपकी बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचायी जाएगी तथा भविष्य में पूरी चाक चौबंद व्यवस्था रखी जाएगी की ऐसी घटना फिर घटित ना हो तथा वर्तमान घटना के दोषियों को तुरंत पकड़ने का आश्वासन भी दूंगा।

भविष्य में इस प्रकार की घटना से निपटने हेतु निम्न कदम उठाऊंगा :-

(1) सबसे पहले मैं इस पूर्व में क्षेत्र में रहे अधिकारियों की इस संदर्भ में रही रणनीतियों का अध्ययन करूंगा।

(2) बीट व्यवस्था को मजबूत एवं चाक चौबंद बनाऊंगा ताकि ऐसी घटनाएं हो ही नहीं एवं हो तो तुरंत जानकारी मिल जाए एवं तुरंत कार्यवाही की जा सके ताकि लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़े।

(3) लोगों में पूर्वोत्तर एवं अन्य लोगों के प्रति नस्लवाद को लेकर होने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वाले भेदभाव के संदर्भ में विभिन्न नुक्कड़ नाटकों, प्रभात फेरियों, डॉक्यूमेंट्री इत्यादि से मनोवृत्ति परिवर्तन का प्रयास करूंगा।

- पुलिस समुदाय बैठक नियमित करूंगा।
- तकनीकी प्रयोग से जैसे पुलिस नं., मोबाइल ऐप जारी करूंगा ताकि संकटकाल में तुरंत सहायता मिल सके
- पुलिस व्यवहार में परिवर्तन हेतु नियमित प्रशिक्षणों की व्यवस्था करूंगा।

विकल्प (b) भावनात्मक समझ ऐसी घटनाओं के हल में बेहद उपयोगी होती है क्योंकि बिना भावनात्मक समझ के उनके साथ उचित संवाद एवं समन्वय स्थापित नहीं हो सकता है जिससे लोग भड़क सकते हैं और अनियंत्रित हो सकती है जिससे कानून व्यवस्था बिगड़ने का भय रहता है अतः एक प्रशासक के लिए ऐसी परिस्थिति में तात्कालिक कदम उठाने, जवाबदेही को समझने, लोगों को शांत करने, पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने में भावनात्मक समझ बेहद उपयोगी होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारतीय भेदभाव के कारण उत्तरपूर्वी सामाजिक एवं मनोवृत्ति संबंधीकारक :-

- पूर्वोत्तर लोगों की शारीरिक संरचना (मंगोलॉयड) को लोगों द्वारा अपनी तुलना में ~~xx~~ कमजोर मानना तथा उनकी हँसी मजाक उड़ाना एवं स्वयं को श्रेष्ठ मानना।
- ~~आपसी मेलमिलाप एवं~~ सांस्कृतिक भिन्नता को भेदभाव के स्तर तक लेजाना
- आपसी मेलमिलाप कम होना
- पूर्वोत्तर की समस्याओं का कारण उन लोगों को मानकर उनसे घृणा करना।

अतः विभिन्न माध्यमों से इन मनोवृत्तियों में परिवर्तन लानी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are an officer in the Labour department. You went to your brother's wedding and saw that minors were employed by the wedding band company to carry their electric instruments. You know that it is an unlawful activity and it is your responsibility to take action against it. However, since it is a family wedding so they have asked you to look the other way. Some of the options available to you to handle this situat on are as follows: 1. You will not take any action as this could be seen by the others as a deliberate action to spoil the wedding. 2. You will act strictly and remove them from the wedding and file a case against the band company. 3. You will talk to the band personal and give a notice to them that they should not employ any minor children after this marriage. Suggest any other possible option. Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving your reason for it. 20

आप श्रम विभाग में एक अधिकारी हैं। आप अपने भाई की शादी में जाते हैं और देखते हैं कि शादी की बैंड कंपनी ने अपने विद्युत उपकरणों को ढोने के लिए अल्पवयस्कों (नाबालिग) को काम पर लगा रखा है। आपको पता है कि यह गैर-कानूनी गतिविधि है और इसके विरुद्ध कार्रवाई करना आपका उत्तरदायित्व है। हालांकि, यह आपके परिवार की शादी है इसलिए वे आपसे अन्य उपाय तलाशने को कहते हैं। इस स्थिति से निपटने हेतु आपके समक्ष उपलब्ध कुछ विकल्प इस प्रकार हैं: 1. आप कोई भी कार्रवाई नहीं करेंगे क्योंकि इसे अन्य लोगों द्वारा शादी को खराब करने के लिए जानबूझकर की गई कार्रवाई के रूप में देखा जा सकता है। 2. आप कठोरता पूर्वक कार्य करते हुए उन्हें शादी से हटा देंगें तथा बैंड कंपनी के विरुद्ध मुक़दमा दायर करेंगे। 3. आप बैंड के कर्मचारियों से बात करेंगे और इस बात का नोटिस देंगे कि इस शादी के बाद उन्हें किसी भी अल्पवयस्क (नाबालिग) को काम पर नहीं लगाना चाहिए। किसी अन्य संभव विकल्प का सुझाव भी दीजिए। इन सभी विकल्पों का मूल्यांकन करें और कार्रवाई हेतु कारण के साथ सर्वोत्तम विकल्प का सुझाव दीजिए।

विकल्प (1) पहला विकल्प इस दृष्टि से तो उचित है कि कोई कार्रवाई नहीं करने पर शादी अच्छे से नाच गान के साथ हो जाएगी तथा समाज के अन्य लोगों से भी मेरे रिश्ते व बने रहेंगे पर पर दूसरी तरफ देखा जाए तो एक लोक सेवक के नाते मैं सिविल सेवकों के बुनियादी मूल्य सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, कमजोर के प्रति संवेदनशीलता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भेदभाव रहितता, गैर तरफदारी, वस्तुनिष्ठता का उल्लंघन माना जा सकता है जो कि अनैतिक है।

विकल्प ② यह विकल्प अच्छा है लेकिन इस विकल्प के अवगुण यह है कि मेरे शादी का उत्साह ठण्डा हो जाएगा तथा अन्य परिवार वाले भी नाराज हो सकते है लेकिन ऐसा करके मैं अपने पद के कर्तव्य, न्यायनिष्ठता, निष्पक्षता, भेदभाव रहितता, गैर तरफदारी, वस्तुनिष्ठता जैसे सिविल सेवा के बुनियादी मूल्यों की सुरक्षा कर सकूंगी। तथा बैंक कैशियर को गलत कार्यों के कारण उचित दण्ड हेतु मुकदमा दायर करना भी उचित कदम होगा।

विकल्प ③ यह विकल्प इस दृष्टि से तो उचित है कि मेरे भाई की शादी धूमधाम से हो जाएगी तथा परिवारजनों एवं अन्य की नाराजगी भी मुझे झेलनी नहीं पड़ेगी लेकिन इसके अवगुण यह है कि सिविल सेवा के बुनियादी मूल्य भेदभाव रहितता, गैर तरफदारी, न्यायनिष्ठता,

का यहाँ पर सीधा उल्लंघन होगा तथा मेरी ऐसी छवि बनेगी की स्वयं के स्वार्थ के लिए बच्चों के हित को भी दाव पर लगा दिया।

अतः मैं इस विकल्प को नहीं चुनूंगा।

मैं इसी विकल्प को उचित मानता हूं तथा इसके साथ ही अपने परिवार को मैं समझाने का प्रयास करूंगा कि गैर कानूनी गतिविधियों को शादी जैसे पवित्र स्थान पर बढ़ावा नहीं देना चाहिए तथा शादी बिना बैंड बाजों का कोई वैकल्पिक व्यवस्था करके भी धूमधाम एवं रोचकता पूर्वक की जा सकती है साथ ही बच्चों के उचित पुनर्वास हेतु उनके परिवारों से संपर्क करूंगा तथा उनके लिए उचित शिक्षा की व्यवस्था करूंगा, तथा परिवारों की समस्या जानकर उनकी समस्याओं का निदान या उनके लिए नियमानुसार स्वरोजगार, पेंशन की व्यवस्था का प्रयास करूंगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

13. You are a working as a junior engineer in second year of your job. A senior engineer has been on sick leave, and you are due to go on study leave. You have been told by your manager that, before you go on leave, you must complete some complicated repair and maintenance work. The deadline suggested appears unrealistic, given the complexity of the work. You feel that you are not sufficiently experienced to complete the work alone. You would need additional supervision to complete it to the required standard, and your manager has stated his inability to offer the necessary support. If you try to complete the work within the proposed timeframe but fail to meet the expected quality, you could face repercussions after your return from study leave. You feel slightly intimidated by your manager, and also feel pressure to do what you can for the company and ensure long term job security. Indicate various options that are available with you in this situation. Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving your reasons for it. 20

आप अपनी नौकरी के दूसरे वर्ष में जूनियर इंजीनियर (कनिष्ठ अभियंता) के रूप में काम कर रहे हैं। एक वरिष्ठ इंजीनियर बीमारी के कारण अवकाश पर है और आपको भी अध्ययन अवकाश पर जाना है। आपके प्रबंधक ने आपसे से अवकाश पर जाने से पूर्व कुछ जटिल मरम्मत और रखरखाव के कार्य को पूरा करने को कहा है दी गई समय सीमा काम की जटिलता को देखते हुए कम प्रतीत होती है। साथ ही, आप स्वयं को अकेले काम पूरा करने लिए पर्याप्त रूप से अनुभवी भी नहीं पाते हैं। इसे आवश्यक मानक के अनुसार पूरा करने के लिए आपको अतिरिक्त पर्यवेक्षण की आवश्यकता है और आपके प्रबंधक ने आवश्यक सहायता प्रदान करने में अपनी असमर्थता जता दी है। यदि आप प्रस्तावित समय सीमा के भीतर, काम पूरा करने का प्रयास करते हैं और वांछित गुणवत्ता देने में विफल रहते हैं, तो अध्ययन अवकाश से लौटने पर इसके परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। आप अपने प्रबंधक से थोड़े भयभीत हैं। साथ ही, अपनी नौकरी की दीर्घकालिक सुरक्षा की सुनिश्चितता हेतु आप कंपनी के लिए जो कर सकते हैं, उसे करने के लिए दबाव का भी अनुभव कर रहे हैं। इस स्थिति में स्वयं के लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्पों को स्पष्ट कीजिए। उन सभी का मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए सर्वोत्तम कार्यवाही का सुझाव दीजिए।

विकल्प (1) प्रबंधक की बात मान लूं एवं दी गई समय सीमा में काम करके अध्ययन अवकाश पर चला जाऊं। यह विकल्प इस दृष्टि से उपयुक्त है कि इससे मेरे प्रबंधक की बात भी मान ली जाएगी मेरी संगठन के प्रति प्रतिबद्धता भी बनी रहेगी तथा अपने आगे के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

क्रिया के लिए पढ़ाई का अवकाश भी प्राप्त हो जाएगा लेकिन इसके अवगुण यह है कि चूँकि कार्य दी गई समय सीमा में पूरा किसी हालत में हो नहीं सकता एवं स्वयं को पर्याप्त अनुभव भी नहीं है इससे कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है जिसका सीधा संबंध उपभोक्ता हित एवं संगठन की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है अतः यह विकल्प अनैतिक एवं अव्यावहारिक होगा।

विकल्प (2) काम करने के लिए सीधा मना कर दूं तथा आवेदन देकर अध्ययन अवकाश पर चला जाऊं यह विकल्प किसी भी दृष्टि से उचित नहीं हो सकता क्योंकि मैं यहां पर सत्यनिष्ठा, संगठनिक प्रतिबद्धता जैसे मूल्यों की अवहेलना कर रहा हूं जो अनैतिक एवं अव्यावहारिक है।

विकल्प (3) प्रबंधक से मिलूं अपनी समस्या बताऊं तथा उनके द्वारा दी गई समय सीमा बढ़ाने का विनम्र निवेदन करूं तथा प्रबंधक के न मानने पर उच्च अधिकारियों को सूचित भी करूं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) यह विकल्प उचित है क्योंकि मानव प्रबंधक से व्यक्तिगत मिलकर बताने प्रबंधक समस्या को समझ कर समय सीमा बढ़ा सकते है ~~[illegible]~~ प्रधान करके सहयोगी भी उपलब्ध करवा सकते है जिससे कार्य की गुणवत्ता बनी रहेगी जिससे कंपनी प्रतिष्ठा एवं उपभोक्ता हित भी सुरक्षित रहेगा तथा कंपनी प्रतिष्ठा बनी रहेगी मेरा कैरियर भी सुरक्षित रहेगा तथा मुझे समय पर कार्य करने पर अध्ययन अवकाश भी प्राप्त होगा। यदि प्रबंधक नहीं मानता है तो उचित अधिकारियों को लिखित में अवगत करवा रहा है अतः बाद समय सीमा में पूरा नहीं होने पर भी दण्ड नहीं भुगतना पड़ेगा

अतः मैं तीसरे विकल्प को चुनूंगा।

14. Euthanasia is the practice of intentionally ending the life of someone who's suffering from an incurable illness or is in an irreversible coma. In the last stages of a terminal illness, for instance, patients who don't want to live the rest of their life in agonising pain may ask a doctor or fam ly member to help them end their lives. Euthanasia may be active cr passive and Euthanasia may be voluntary or involuntary. All these aspects raise different ethical concerns for the patient, doctor as well as the relatives of the patient. Discuss these ethical issues and the various social and attitudinal factors that play a role in the decision in euthanasia. Should there be a uniform policy to tackle cases related to euthanasia? Explain with relevant examples. 20

इच्छामृत्यु जानबूझकर किसी ऐसे का जीवन समाप्त करने की प्रक्रिया है जो लाइलाज रोग से पीड़ित है या स्थाई रूप से कोमा में है। उदाहरण के लिए लाइलाज रोग के अंतिम चरण में ऐसे रोगी जो पीड़ादायी कष्ट में अपना शेष जीवन नहीं जीना चाहते हैं, अपना जीवन समाप्त करने में सहायता करने के लिए चिकित्सक या परिवार के किसी सदस्य से कह सकते हैं। इच्छामृत्यु सक्रिय या निष्क्रिय हो सकती है और इच्छामृत्यु स्वैच्छिक या अनैच्छिक भी हो सकती है। ये सभी पहलु रोगी, चिकित्सक और रोगी के संबंधियों के लिए अलग-अलग नैतिक चिंताएं खड़ी करते हैं। इच्छामृत्यु संबंधी निर्णय में भूमिका निभाने वाले इन नैतिक मुद्दों तथा विभिन्न सामाजिक व अभिवृत्ति से सम्बंधित कारकों पर चर्चा करें। इच्छामृत्यु से संबंधित प्रकरणों से निपटने के लिए क्या एक समान नीति होनी चाहिए? इसे प्रासंगिक उदाहरणों के साथ समझाएं।

इच्छा मृत्यु भारत एवं मानवपूर्ण वैश्विक मुद्दा है जिनको लेकर विभिन्न देशों में विभिन्न नैतिक चिंताएं:-

(1) क्या जीने के साथ मरने का अधिकार सम्मिलित है

(2) इसे आत्महत्या के समान मानकर आपराधिक कृत्य मानना

(3) जीवन जीना बनाम मरना

(4) गुणवत्ता पूर्वक जीवन जीना

इच्छा मृत्यु संबंधी समाज में विभिन्न सामाजिक एवं अभिवृत्ति संबंधी कारक विद्यमान है समाज मानव जीवन को ईश्वर प्रदत्त मानता है तथा मनुष्य को जीवन से संघर्ष की प्रेरणा की बात करता है तथा मरने को कायरता समझता है समाज धार्मिक दृष्टि से इसे ईश्वरीय व्यवस्था में हस्तक्षेप समझता है। यह कि अनैतिक है समाज इसे एक समाज के सामने गलत उदाहरणों के रूप में लेता है तथा जो कि आने वाली पीढ़ी एवं किसी पर आश्रित लोगों के लिए उचित नहीं माना जाता है।

इच्छा मृत्यु से संबंधित प्रकरणों से निपटने हेतु जहां तक एक समान नीति की बात है पर मेरा निष्कर्ष में उचित यही या सकती है कि इससे ~~[illegible]~~ विभिन्न कानूनों की जटिलता का कोई फायदा नहीं उठा पाएगा जिससे इच्छा मृत्यु वादी के अधिकार सुरक्षित रहेंगे। तथा इससे किसी भी केस में निर्णय लेने में आसानी रहेगी, पारदर्शिता रहेगी। ~~[illegible]~~

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लेकिन दूसरी तरफ देखें तो एक समान नीति से इस समस्या का समाधान हल नहीं हो पाएगा क्योंकि इनके विभिन्न रोगों, बैक्टी एवं उन रोगों पर चिकित्सकों की राय ~~बैक्टी~~ के भिन्नता हो सकती है कई बार कुछ बुजुर्गों के पास दूसरा भी इस लोक के अकेला जा सकता है।

अतः इस केस के विश्लेषण से समाज से एक व्यापक बहस की जरूरत है तथा इस केस के उच्चतम न्यायालय के अरुणा शानबाग निर्णय का भी महत्वपूर्ण संदर्भ लिया जा सकता है।

Call us : 9650617807, 9968029039
Blog : www.visionias.wordpress.com
Visit us : www.visionias.in
Email : ajay.visionias@gmail.com